विज्ञान विरोधी हिंसा

हाल ही में एक संगठन इनफॉर्मल एनार्किस्ट फेडरेशन इंटरनेशनल रिवॉल्यूशनरी फ्रंट के ओल्गा प्रकोष्ठ ने एक अखबार को सूचना दी कि उसने एन्साल्डो न्यूक्लिएर के अध्यक्ष रॉबर्टो एडिनोफी को टांगों में गोली मार कर घायल किया है। सूचना पत्र में कहा गया है कि "अपनी इस कार्रवाई के ज़रिए हम आपको उस पीड़ा का एक अंश लौटा रहे हैं, जो विज्ञान कर्मी होने के नाते आप इस दुनिया को दे रहे हैं।" इस वक्तव्य में स्पष्ट रूप से फिनमेक्सेनिका के खिलाफ यह अभियान जारी रखने की बात भी कही गई है।

गौरतलब है कि फिनमेक्सेनिका इटली की एक उड्डयन व रक्षा कंपनी है और एन्साल्डो न्यूक्लिएर उसकी परमाणु इंजीनियरिंग शाखा है। इससे पहले ओल्गा प्रकोष्ठ ने नैनोटेक्नॉलॉजी शोधकर्ताओं को अपना शिकार बनाया था और 2010 में स्विटज़रलैण्ड स्थित आईबीएम की प्रयोगशाला पर बम फेंकने का प्रयास भी किया था।

इसी तरह, अप्रैल 2011 में अराजकतावादियों ने स्विटज़रलैण्ड के एक समूह स्विसन्यूक्लियर को एक पार्सल बम भेजा था। यह समूह परमाणु उद्योग की ओर से पैरवी का काम करता है। इसी प्रकार की कार्रवाइयां मेक्सिको में नैनोटेक्नॉलॉजी शोधकर्ताओं के खिलाफ भी की गई हैं।

अपने वक्तव्य में फेडरेशन ने विज्ञान व टेक्नॉलॉजी पर आक्रमण किया है और उन पर मानवता की कीमत पर पूंजीवाद के समर्थन का आरोप लगाया है। इसके अलावा विज्ञान व टेक्नॉलॉजी पर यह भी आरोप लगाया गया है कि उन्होंने हर इन्सान को संसाधनों का अंधा उपभोक्ता बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। वक्तव्य में कहा गया है कि अतीत में विज्ञान ने हमें सुनहरे युग का वादा किया था मगर आज आत्म विनाश और पहले से ज़्यादा गुलामी की ओर ले जा रहा है।

वक्तव्य के मुताबिक विज्ञान-टेक्नॉलॉजी की जोड़ी ने कभी भी मानवता की सेवा नहीं की है और यह अनिवार्य हो गया है कि हर गैर-तार्किक, अमानवीयताकारी, विनाशकारी चीज़ का सफाया कर दिया जाए। आज व्यक्ति को अपने 'स्व' को साकार करने के लिए मात्र वस्तुओं के उपभोग का सहारा लेना पड़ता है। वैसे वक्तव्य में ज़्यादा ध्यान परमाणु उद्योग पर केंद्रित किया गया है।

वक्तव्य को लेकर विभिन्न तबकों में अलग-अलग प्रतिक्रियाएं हुई हैं। कई वैज्ञानिकों को लगता है कि समझ नहीं आता कि क्या हम पूरा वैज्ञानिक शोध बंद करके वापिस गुफाओं में लौट जाएं। दूसरी ओर एक मत यह भी है कि उक्त कार्रवाई आधुनिकता के विरुद्ध एक प्रतिक्रिया है। ***(स्रोत फीचर्स)***